जय जय महाश्रमण

नारीलोक

अध्यक्षीय कार्यालय :

श्रीमती कुमुद कच्छारा
अम्हेर ज्वेलरी, ऑफिस नं. 6
लक्ष्मी भुवन, आनन्दजी लेन
रसिकलाल ज्वेलर्स के सामने
एम.जी. रोड़, घाटकोपर (ई)
मुम्बई – 77
मो. : 9833237907
e-mail : kumud.abtmm@gmail.com

अंक 244 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | अक्टूबर 2018

संकल्पों की सौगात करें आत्मसात

Dreams to Reality
संकल्प

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

''लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं''

अध्यक्षीय

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अभी तो मापी है मुठ्ठीभर जमीन हमने,
अभी तो सारा आसमान जीतना बाकी है।।

प्रिय बहनों,

सस्नेह अभिवादन !

दिनांक 12 सितम्बर 2017 को कोलकाता में शक्तिपुंज श्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी का मंगल आशीर्वाद रूपी ओज आहार, असाधारण साध्वीप्रमुखाश्रीजी की ममता का प्रसाद एवं आप सभी के स्नेह का सिंचन पाकर दायित्व के सफर का शुभारंभ किया। तत्पश्चात् आचार, विचार, व्यवहार और अध्यात्म के उन्नयन के उद्देश्य से जब मंजिल की दिशा में कदम बढ़ाये तो क्षण-क्षण तीव्र गति से बीतता गया और बीता हुआ हर क्षण यह अहसास दिलाता रहा कि.....

भिक्षु का संघ यह भाग्य से मिला, नंदन चमन यह खूब है खिला,
तुलसी महाप्रज्ञ ने संवारा इसे, युग के मानचित्र में उभारा इसे।
उजली भोर हर ओर नव बसंत है, गणमाली महाश्रमण महासंत है।।

सच कहूं बहनों ! 386 दिन के सफर की यदि मैं समीक्षा करूं तो मुझे ऐसा लगता है कि लगभग 50 दिन का समय जो गणमाली की सन्निधि में व्यतीत करने का सौभाग्य मिला वो मेरे जीवन की अनमोल थाती बन गया। इस दौरान मैंने वास्तव में महसूस किया कि महासंत गुरु महाश्रमणजी की एक मधुर मुस्कान मिटा देती थी मेरी सारी थकान, दूर कर देती थी सारे व्यवधान, बिना कहे ही समझ लेते थे वो मेरी उलझन भरी दास्तान और उनके आशीर्वाद की मुद्रा में उठे दोनों हाथों में मिल जाता था मुझे सारे अनुत्तरित प्रश्नों का समाधान। ऐसे महान उपकारी गुरु के प्रति अनन्त-अनन्त कृतज्ञता के भाव प्रेषित करती हूँ।

बहनों ! अब तक हमने सुना था कि माँ के चरणों में जन्नत होता है पर इस जन्नत का प्रत्यक्ष अनुभव किया है मैंने ममतामयी माँ साध्वीप्रमुखाश्रीजी के चरणों की उपासना करके। उनकी ममता के आंचल में प्यार भरे प्रोत्साहन और प्रेरणा के अलावा मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दिया। उलाहना का 'उ' तो मानो उनके जीवन की वर्णमाला में कहीं है ही नहीं। जब-जब उनके उपपात में बैठती तब-तब ऐसा लगता कि समूचे संसार की यह एक मात्र सकारात्मक सोच रखनेवाली माँ है। इतना ही नहीं बहनों ! समय-समय पर उनके द्वारा प्रदत्त संदेश का एक-एक शब्द हमारे भीतर में अनन्त ऊर्जा का संचार करता रहा तभी तो हमारे छोटे से छोटे शाखा मंडल ने भी हर कार्य को बड़ी जागरूकता एवं सक्रियता के साथ संपादित किया।

बहनों ! आपके बढ़ते हुए कदमों की गूंज जब गति-प्रगति प्रतिवेदन में अंकित की जा रही थी तो देखकर मन रोमांचित हो उठा। कितना श्रम किया है हमारी बहनों ने! आपकी कर्मजा शक्ति को नमन करने का मन करता है। वर्षभर में नारीलोक द्वारा दिये गए कार्यों का लेखा-जोखा करे तो **Empowerment** कार्यशाला हो या **We Can** रैली, प्रदूषण मुक्त दिपावली हो चाहे प्लास्टिक फ्री वीक, तपोमहायज्ञ आयंबिल हो चाहे सामायिक संकल्प साधना, पक्खी का प्रतिक्रमण हो या जप-तप साधना, तत्वज्ञान-तेरापंथ दर्शन का पाठ्यक्रम हो चाहे जैन विद्या, ज्ञानशाला या जैन स्कोलर, उन्नयन हो चाहे उन्नति, अस्तित्व हो या सृजन, ऊर्जा हो या ओजस, रजत जयंती हो चाहे स्वर्ण जयंती, मासिक विचार हो या संकल्प, शौचालय निर्माण हो या स्वच्छ भारत अभियान का 'निर्माण', नारीलोक प्रश्नोत्तरी हो या उपासक शिविर, फिजियोथेरपी सेंटर का संचालन हो चाहे कन्या सुरक्षा सर्किल का निर्माण, स्वच्छ भारत गीत का प्रचार हो चाहे 'भावना' रास्ते की सेवा, आर्थिक अनुदान की बात हो चाहे निःस्वार्थ सेवा की, **LCTC** हो चाहे **SMDP,** स्थानीय स्तर पर गुरू का पदार्पण हो चाहे चारित्रात्माओं का आगमन, लौकिक पर्व-त्यौंहार हो चाहे पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व। बहनों आपने अपने दायित्व का बखूबी निर्वहन किया यह जानकर प्रसन्नता की अनुभूति होती है। केन्द्र की हर योजना को आपने टी.वी. चैनलों में साक्षात्कार, प्रेस कॉन्फ्रेन्स एवं सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया है। 'पहचान' आंचलिक कन्या कार्यशालाओं के माध्यम से हमारी बेटियों ने अपनी

अध्यक्षीय

पहचान के परचम फहराएं है। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड हो चाहे लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड आपके सहयोग से ही कीर्तिमान रचे है। संगठन यात्राओं के दौरान हम राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं कार्य समिति की बहनों का आपने जिस आत्मीय भाव से स्वागत किया वह सदैव दिल में अंकित रहेगा। हमारे पदाधिकारी एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति की बहनों द्वारा वर्षभर में लगभग 250 शाखा मंडलों की सार संभाल संगठन यात्राओं के दौरान की गई जिसमें लगभग सौ शाखा मंडल की बहनों से मिलने का सौभाग्य मुझे विभिन्न निमित्तों के माध्यम से मिला। संस्था एवं नेतृत्व के प्रति आप सभी के समर्पण भाव को देखकर गौरव की अनुभूति हुई।

बहनों ! 43 वें राष्ट्रीय अधिवेशन 'संकल्प' के अवसर पर यदि मैं अतीत के संकल्पों की स्मृति करूं तो मुझे याद आ रहा है कि 13 सितम्बर 2017 को पूज्यप्रवर की सन्निधि में मैंने कुछ संकल्पों का उल्लेख किया था उनमें से एक है '' हम काम इतना खामोशी से करें कि सफलता शोर मचाये। आज यह संकल्प काफी हद तक साकार होता हुआ प्रतीत हो रहा है फिर भी बहनों ! साध्वीप्रमुखाश्रीजी के शब्दों में –

जिंदगी की असली उड़ान अभी बाकी है, जिदंगी के कई इम्तिहान अभी बाकी है।
अभी तो मापी है मुठ्ठीभर जमीन हमने, अभी तो सारा आसमान जीतना बाकी है।।

बहनों ! आसमान जीतने के लिए आओ पुनः करते हैं संकल्प –

- हम जमीन से जुड़कर आसमान की ओर प्रस्थान करेंगे।
- हम संस्कार और संस्कृति की सुरक्षा करते हुए उडान भरेंगे।
- हम सकारात्मक सोच एवं प्रमोद भावना के साथ विकास की राह पर चलेंगे।
- हम 'कुरज' पक्षी को आदर्श मानकर असंभव को भी संभव बनायेंगे।
- हम सम्यक्त्व की नींव को मजबूत बनाकर मंजिल की दिशा में कदम बढ़ायेंगे।

आपकी अपनी

कुमुद कच्छारा

मेरा Sankalp ...मेरी पहचान

मैं यथासंभव प्रयास करुंगी ....

ज्ञान
- न्यूनतम 25 बोल कंठस्थ
- प्रति पक्खी का प्रतिक्रमण

दर्शन
- आस्था का दृढीकरण (देव-गुरु-धर्म के प्रति)
- प्रतिदिन प्रातः गुरु वंदना
- द्रव्य पूजा का त्याग

चारित्र
- 12 व्रतों का स्वीकरण
- न्यूनतम प्रतिदिन 14 नियम का प्रत्याख्यान

तप
- न्यूनतम प्रतिदिन नवकारसी
- दिनभर में 3 घंटे का चौविहार / तिविहार त्याग

वीर्य
- साधना में शक्ति का नियोजन
- अपने अपने क्षेत्र में समागत चारित्रात्माओं के दर्शन तथा मार्गवर्ती सेवा
- वर्ष में कम से कम एक बार गुरुदेव की सेवा उपासना

मेरा Sankalp ...मेरी पहचान

मैं संकल्प करती हूं ....

- प्रतिदिन नमस्कार महामंत्र की एक माला फेरुंगी।
- यथासंभव शनिवार की सामायिक करुंगी।
- जीवन मे किसी भी प्रकार का नशा नहीं करुंगी।
- क्रूरता जनित सौंदर्य प्रसाधन सामग्री का यथासंभव प्रयोग नहीं करुंगी।
- प्रतिदिन कम से कम 15 मिनिट स्वाध्याय करुंगी।

ऊर्जावाणी

संयम, शालीनता, समर्पण और सहिष्णुता की सुरक्षा पंक्तियों में रहकर ही नारी गौरवशाली इतिहास का सृजन कर सकती है। यदि वह इस बात के लिए कटिबद्ध हो जाये कि अपने घर में अनैतिकता और शोषण को प्रश्रय नहीं देगी तो सहजतया घर के वातावरण में सात्विकता और प्रामाणिकता की सौरभ फूट पडेगी।

–आचार्य श्री तुलसी

नारी समाज ने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है। उनकी कार्यनिष्ठा ने जनमानस को प्रभावित किया है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल समाज एवं धर्मसंघ की सेवा के लिए समर्पित संगठन है। तेरापंथ के महिला समाज को एकसूत्रता में बांधने का प्रयत्न किया है। महिलाओं के विकास और हित की चिन्ता की है। बौद्धिकता के साथ शील और सदाचार के संस्कार प्रगाढ़ बने, यह अपेक्षा है। सदाचार शून्य विकास बहुत सार्थक नहीं हो सकता, इस सच्चाई का। अनुशीलन ही सुखद भविष्य की सृष्टि कर सकता है।

–आचार्य श्री महाप्रज्ञ

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल तेरापंथ समाज की महिला शक्ति का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था है जैन विद्या के प्रसार के क्षेत्र में उसके द्वारा किया जाने वाला प्रयत्न उल्लेखनीय है। अनेकानेक व्यक्तियों ने उसके इस सत्प्रयास से जैन तत्त्व विद्या का प्रशिक्षण प्राप्त किया है और कर रहे हैं। संगठन में सुदृढ़ता और गुणवत्ता परिपुष्ट रहे। संस्था की पवित्र शक्ति विकसित होती रहे। शुभाशंसा

24 अगस्त, 2018
माधावरम, चैन्नई

–आचार्य श्री महाश्रमण

स्वप्न बनाम संकल्प

मनुष्य स्वप्न देखता है, कल्पना करता है और लक्ष्य को साधना चाहता है। चाह के साथ संकल्प और पुरुषार्थ के पंख लगने से ही वह कल्पना के आकाश में उड़ान भर सकता है, स्वप्न को सच में बदल सकता है। संकल्प की शक्ति अचिन्त्य होती है। किसी कार्यकर्ता के पास काम करने का पर्याप्त अनुभव भले ही न हो, पर कुछ करने का संकल्प भीतर से जागता है, वह सफल हो जाता है। दृढ़ संकल्प के सहारे काम करने वाले में ऐसा जोश, जुनून या जज्बा होता है कि कठिन से कठिन कार्य भी आसान हो जाता है।

संकल्प को साधने के लिए कुछ सूत्र ..... सामने रहे तो व्यक्ति की गति में निरन्तरता रह सकती है। इस दृष्टि से कतिपय बिन्दु प्रस्तुत किए जा रहे हैं –

- कार्य करते समय आत्म संयम और धैर्य का धागा मजबूत रखें।
- आज का काम कल पर छोड़ने की आदत बदलें।
- समयबद्ध कार्यसूची के अनुसार प्राथमिकता का निर्धारण करें।
- लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए समय का इन्तजार न करें।

ऊर्जावाणी

- चिन्तन, निर्णय और क्रियान्विति के बीच अधिक समय नहीं लगाएं।
- अपनी कार्यशैली को उत्तरोत्तर बेहतर बनाने का प्रयास करें।
- असफलता को सफलता की सीढ़ी मानने का साहस करें।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के वार्षिक अधिवेशन का प्रसंग है। आचार्य श्री महाश्रमण का मंगल और प्रेरक सान्निध्य महिलाओं की संकल्प चेतना को जगाए। संकल्प की दीपशिखा को अहर्निश प्रेरणा का तेल मिलता रहे। ज्योति जलती रहे। अंधेरा छंटता रहे। संघनिष्ठा और गुरुनिष्ठा की विरासत संस्था की नींव को मजबूत बनाती रहे।

24 अगस्त, 2018
माधावरम, चैन्नई

–साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

तत्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम की परीक्षाएं

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षा दिनांक 18 व 21 दिसम्बर 2018 तद्नुसार मंगलवार और शुक्रवार को दोपहर 1 बजे सभी परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी।

अन्य जानकारी हेतु सम्पर्क करें :–

श्रीमती पुष्पा बैंगानी	श्रीमती मंजु भुतोड़िया	श्रीमती कुसुम बैंगानी
निर्देशिका	राष्ट्रीय संयोजिका	सह संयोजिका
9311250290	9312173434	8010139367

करणीय कार्य – अक्टूबर

बेटियों के बढ़ते कदम - फहराएं विकास के परचम

प्यारी बेटियों,

सादर जय जिनेन्द्र !

पर्युषण महापर्व के अवसर पर हम सभी ने आत्मलोचन कर स्वयं की गलतियों का परिशोधन किया। पिछले वर्ष मेरे दायित्व निर्वहन के दौरान मैंनें जाने अनजाने आपके दिल को दुःखाया हो तो अंतःकरण से क्षमायाचना करती हूँ।

आपकी दीदी
मधु देरासरिया

करणीय कार्य

परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी अहिंसा यात्रा द्वारा राष्ट्र व समाज में नैतिकता, सद्भावना और नशामुक्ति के संदेश का प्रचार कर स्वस्थ समाज व स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण का पुनीत प्रयास कर रहे हैं। इसी के अंतर्गत इस माह का करणीय कार्य है –

A Flim on ''अहिंसा यात्रा'' Fragrance of Humanity आपको इस माह निम्न विषयों में से किसी एक पर Short Film (5 से 7 Min. की) प्रतियोगिता करवा कर सर्वश्रेष्ठ Film को 31 अक्टूबर तक केन्द्र में भेजनी है।

कैसे भेजना है इसकी सूचना Whatsapp Group के माध्यम से दे दी जायेगी।

अहिंसा यात्रा – Fragrance of Humanity

विषय :–

1. नैतिकता (Morality)
2. नशामुक्ति (Deaddiction)
3. सद्भावना (Harmony)

विशेष :– सभी कन्याऐं इस वर्ष तेरापंथ प्रबोध के 66 से 125 तक के पद्य और गद्य कंठस्थ करने का प्रयास करे।

करणीय कार्य - अक्टूबर

सशक्त राष्ट्र की एक महत्वपूर्ण इकाई है सशक्त व्यक्तित्व। बहनों, ग्यारह माह की **Empowerment** कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्तकर हमने सशक्त बनने का प्रयास किया। अब इस माह आपको करना है दैनिक जीवनशैली को अहिंसात्मक बनाने का प्रयास। अतः आयोजित करें -

अहिंसा प्रशिक्षण कार्यशाला

WORKSHOP ON NON-VIOLENCE

महावीर का सिद्धांत, बुद्ध का चिंतन, गांधी का सृजन

अहिंसा प्रशिक्षण : आदर्श गृहिणी का अलंकरण!!!
कदमों को करें गतिमान : बने अहिंसा हमारी पहचान...

बनें अहिंसात्मक मन, वचन, तन।

मन को न करें मैला,
वचन को न करें कषैला,
न हो अस्वस्थ तन का झमेला

जागरूक रहें हर क्षण : स्थावर काय का विवेचन

अहिंसा की प्रयोगशाला, बनें हमारा किचन
हो नमक, पानी, अग्नि, वनस्पति के उपयोग पर नियंत्रण

अभय के वातावरण का निर्माण

न डर, न भय, हम बनें अभय
सबल बन निर्बल को दें प्रश्रय

भाषण प्रतियोगिता

''बने नारी अहिंसा की सैनानी''

इस विषय पर अपने-अपने क्षेत्र में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करें तथा प्रथम, द्वितीय, तृतीय को पुरस्कृत करें।
समय सीमा : 3 मिनिट

नवरात्रि में अधिक से अधिक भाई-बहन को दस प्रत्याख्यान कराने का प्रयास करें तथा सूची बनाकर अपने स्थानीय रिकार्ड में रखें। संख्या महामंत्री कार्यालय में भेजें।

इस माह का संकल्प - प्रतिदिन चार लोगस्स का ध्यान करना।

पश्चिम महाराष्ट्र स्तरीय विराट महिला सम्मेलन 'ऊर्जा'

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में ,आचार्यश्री महाश्रमण जी के विद्वान शिष्य तत्वज्ञ मुनिश्री जिनेश कुमारजी आदि ठाणा 2 की पावन सन्निधि और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में पुणे में पश्चिम महाराष्ट्र स्तरीय महिला सम्मेलन ऊर्जा का समायोजन किया गया । नमस्कार मंत्रोच्चार के बाद नारी जाति के उन्नायक आचार्य श्री तुलसी की अभ्यर्थना रूप तुलसी अष्टकम् से पुणे महिला मंडल के मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ । पुणे महिला मंडल द्वारा स्वागत गीत की सुन्दर प्रस्तुति दी गयी। पुणे महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती सुमन मरलेचा ने समागत राष्ट्रीय टीम व सभी क्षेत्रों की बहनों का स्वागत करते हुए कहा कि पुणे में पहली बार इतना बड़ा आयोजन हुआ है, जिसमें स्वयं राष्ट्रीय अध्यक्ष बहनों में ऊर्जा का संचार करने आयी हैं । मुनिश्री जिनेश कुमार जी के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित की, जिनकी प्रेरणा से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

उद्‌बोधन सत्र –उर्जित रश्मियों से पाएं ऊर्जा

सम्मेलन के प्रथम सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपने ऊर्जावान वक्तव्य में कहा कि नारी शक्ति की खान है बस उसे पहचानने की आवश्यकता है। आचार्य श्री तुलसी की कृति मातृहृदया महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्रीजी की प्रेरणा महिला समाज को निरन्तर मिलती रहती है, जो सतत हमारे भीतर ऊर्जा प्रवाहित करती है। हमें उसका उपयोग करना सीखना होगा, जिससे जो विश्वास गुरु तुलसी ने नारी समाज पर किया था, उस पर हम खरे उतर सके। तत्वज्ञ मुनिश्री जिनेश कुमार जी ने अपने मंगल उदबोधन में फरमाया कि जिसका संकल्प बल, मनोबल, धृतिबल मजबूत होता है वह अपनी जागरूकता, मैत्री और मौन की साधना से, कर्तृत्व से, संगठन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकता है! मुनि परमानन्द जी ने मानसिक, आध्यात्मिक ऊर्जा के बारे में बताते हुए कहा कि ऊर्जा आत्मा की अनंत शक्ति है, इसके सहारे व्यक्ति जीवन में ऊंचाईयों को छू सकता है। राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती शांता पुगलिया ने कहा कि नारी परिवार की धुरी होती है, अगर उसमें सम्यक ऊर्जा का संचार है तो वो अपने परिवार और समाज को संस्कारों की ऊर्जा से प्राणवान बना सकती है। कार्यक्रम में पुणे तेरापंथ सभा के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्रजी कोठारी, मंत्री श्री संजय मरलेचा, तेयुप अध्यक्ष श्री दिनेश खिंवेसरा, मंत्री श्री धर्मेन्द्र चोरड़िया, अभातेयुप से श्री मनोजजी संकलेचा, इचलकरंजी सभा अध्यक्ष श्री दीपचंदजी तलेसरा आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन मंत्री श्रीमती रूचि पुगलिया ने किया।

द्वितीय सत्र– ऊर्जा भरा संवाद अपनों से

इस सत्र का शुभारम्भ पिंपरीचिंचवड महिला मंडल के सुमधुर स्वरों से हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपनों के साथ अपना संवाद स्थापित करते हुए कहा कि हमारे आयोजनों में सादगी, पहनावे में शालीनता होनी चाहिए। संघ के प्रति समर्पण, संस्था के प्रति कर्तव्य बोध की भावना होनी चाहिए। कार्यशालाओं के आयोजन और अधिवेशन संबंधी बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। रा का स श्रीमती जयश्री जोगड़ ने संगठन में ऊर्जा का संचार और उसका विकास कैसे हो, इस विषय पर अपनी बात बहनों के साथ की। श्रीमती देवी भंसाली ने भी अपने विचार व्यक्त किये। रा का स श्रीमती कांता तातेड़ ने अभातेमम की ओर से पूज्यवरों के विहार काल में रास्ते की सेवा की जानकारी दी। इस सत्र का कुशल संचालन श्रीमती शोभा सुराणा ने किया।

तृतीय सत्र –प्रेरणा से हो ऊर्जित

सत्र का प्रारम्भ इचलकरंजी महिला मंडल के मंगल मंगलाचरण से हुआ। पुणे महिला मंडल ने प्रेरणा गीत की सुन्दर प्रस्तुति दी। कन्याओं और युवती बहनों ने **Stop Use of Plastic** पर संवाद प्रस्तुत किया। रा का स श्रीमती निर्मला चंडालिया ने बहनो को बताया की हमारे ऊर्जा स्रोत कौन और कैसे होने चाहिए, किस प्रकार हम उनसे प्रेरणा पा सकते हैं। डॉ.सलोनी गांधी ने शारीरिक ऊर्जा का संचय कैसे हो ,साथ ही साथ ब्रैस्ट कैंसर के कारण निवारण के बारे में बताया। अंत में मुनिश्री ने आध्यात्मिक ऊर्जा से संगठन कैसे उर्जित हो, इस विषय का विवेचन करते हुए फ़रमाया कि अर्हत स्तुति, पर्युपासन, सत्वानुकम्पा, सुपात्रदान, गुणानुराग, जिनवाणी श्रवण करते हुए संस्था के विधान के अनुरूप कार्य करके संगठन को ऊर्जस्वित बनाया जा सकता है ।

आभार ज्ञापन मंत्री रूचि पुगलिया ने किया । इस सत्र का संचालन श्रीमती पुष्पा कटारिया ने किया ।

इस सम्मेलन में संभागी शाखा मंडल पिंपरिचिंचवड, इचलकरंजी, जयसिंगपुर, औरंगाबाद, मुम्बई आदि का मोमेंटो

देकर सम्मान किया गया। पश्चिम महाराष्ट्र स्तरीय इस सम्मेलन में 200 बहनें सम्भागी बनी। टी.वी. चैनल से आये संवाददाता ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं स्थानीय अध्यक्ष का इंटरव्यू लिया जिसे स्थानीय चैनल पर प्रसारित किया गया।

खानदेश स्तरीय युवती कार्यशाला 'ओजस'

महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी ठाणा-6 के पावन सान्निध्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में धुलिया महिला मंडल द्वारा आयोजित खानदेश स्तरीय प्रथम कार्यशाला 'ओजस' अत्यंत उपादेय रही। कार्यशाला का प्रारंभ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक जाप से हुआ। धुलिया महिला मंडल ने मंगल संगान प्रस्तुत किया। कार्यशाला के विधिवत उद्घाटन की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने की।

प्रथम सत्र - उजास

उद्घाटन सत्र में विदुषी साध्वीश्री निर्वाणश्री जी ने अपने ओजस्वी मंगल पाथेय में फरमाया कि, जब नींद आए तब अँधेरा भी सुहाता है पर जागनेवालों की पहली अपेक्षा है -प्रकाश। जीवन में शक्ति और शांति दोनों का अपना महत्व है। ज्ञान के खजाने को भरें और शांति को प्रकट करें। इतने छोटे से क्षेत्र में ऐसा अपूर्व उपक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष की श्रद्धा की ही अभिव्यक्ति है। साध्वीश्री डॉ योगक्षेमप्रभाजी ने अपने संयोजकीय वक्तव्य में कहा-ओजस स्वयं से स्वयं का संधान है। ओजस शक्ति जागरण का अभियान है। ओजस एक प्रस्थान है तेज बढ़ाने के लिए। आज अभातेममं के राष्ट्रीय नेतृत्व की अध्यक्षता में खानदेश में नए जागरण का उपक्रम प्रारंभ हुआ है। कार्यशाला के अध्यक्षीय संभाषण में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा - पूज्य गुरुदेव के असीम आशीर्वाद की परिणति है आज की यह कार्यशाला। साध्वीश्रीजी प्रबुद्धता, समता ,और क्षमता की त्रिवेणी है! विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन में ओजस्विता लाने के लिए सभी बहनों को **MBBSS** अर्थात आदर्श माँ, बेटी, बहु, सास, श्राविका बनना होगा। साध्वीश्री लावण्यप्रभाजी ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए 'ओजस' जगाने की प्रेरणा दी। अभातेममं की ट्रस्टी एवं पूर्व अध्यक्ष शांता जी पुगलिया ने कहा -गुरुदेव तुलसी ने हमें वह मंच दिया, जिसने हमारी अस्मिता को नया आयाम दिया है। उन्होंने कुरज पक्षी के उदाहरण से संघ भावना की महत्ता प्रतिपादित की! ओजस -संगान के पश्चात तेरापंथ महिला मंडल से श्रीमती संगीता सूर्या, तेयुप से श्री दिनेश जी जैन व सभा से श्री सूरजमलजी सूर्या ने सबका भाव पूर्ण स्वागत किया। साध्वीश्री लावण्यप्रभाजी, साध्वी श्री कुंदनयशाजी, साध्वीश्री मुदितप्रभाजी एवं साध्वी मधुरप्रभाजी ने ओजस गीत की स्वर लहरी से पूरे माहौल को ओजस मय बना दिया। श्रीमती खुशबू सेमलानी ने अपने विचार व्यक्त किए। रा.का.स. श्रीमती कांता तातेड़ ने भावना सेवा के संदर्भ में अपने विचार रखे। इस अवसर पर साध्वीश्री योगक्षेमप्रभाजी ने ज्योति जागे : शक्ति जागे चार कलर के कार्डस से रोचक एक्टीविटी करवाई। जिसमें करीब 50 बहनों ने भाग लिया। तीन कार्डस के साथ श्रीमती मंजुषा डोशी (जलगांव) प्रथम रही। मंच संचालन साध्वीश्री योगक्षेमप्रभाजी ने अत्यंत कुशलतापूर्वक किया।

द्वितीय सत्र-ऊर्जा

सत्र का प्रारंभ ओजस गीत से मनमाड़ महिला मंडल द्वारा हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने संस्था की वैधानिक गतिविधियों, रजिस्टर आदि के व्यवस्थापन व अभातेममं की मुख्य गतिविधियों की जानकारी देते हुए बड़े ही सरल एवं सधे शब्दों से मार्गदर्शन किया। ट्रस्टी श्रीमती शांता पुगलिया ने संगोष्ठी कैसे करें अधिवेशन आदि में संभागिता आदि अनेक संगठन मूलक उपयोगी विषयों की जनकारी दी। विदुषी साध्वीश्रीजी नेअपने निष्पति पूर्ण प्रेरक पाथेय में कहा कि ओजस से जो ओज पाया है, उसे सर्वत्र विकीर्ण कर अपना विकास करना है। श्रीमती रेखा घुंडियाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यशाला की सफल समायोजना में महिला मंडल की बहनों के साथ विशेष रूप से श्री नानकरामजी तनेजा, श्री सूरजमल जी सूर्या, श्री विनोद जी घुंडियाल,श्री दिनेश जी सूर्या, श्री संजय जी सूर्या व श्री राजेन्द्र जी घुंडियाल का सहयोग रहा। इस कार्यशाला में जलगांव, साक्री,शाहदा, मनमाड़, दोंडाईचा, अमलनेर, नाशिक आदि क्षेत्रों की बहिनों ने भाग लिया।

संगठन यात्रा

मध्यप्रदेश

भारत की हृदयस्थली मध्यप्रदेश के क्षेत्रों की राष्ट्रीय प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती प्रभा घोड़ावत द्वारा संगठन यात्रा 'उन्नति' के तहत सार संभाल की गयी। इंदौर में विराजित साध्वीश्री प्रबलयशाजी से आशीर्वाद प्राप्त कर 5 क्षेत्रों की संगठन यात्रा की गयी। संस्था की चारों योजनाओं के साथ संविधान की महत्वपूर्ण जानकारी सभी शाखा मंडलों को दी गयी। आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल एवं फिजियोथेरेपी सेंटर के निर्माण हेतु क्षेत्रों को विशेष प्रेरणा दी गयी। आचार्यश्री तुलसी शिक्षा परियोजना हेतु भी बहनों को प्रेरित किया गया। संस्थागत सभी कार्यों सहित रजिस्टर के रखरखाव की भी शाखा मंडलों को जानकारी दी गयी। तेरापंथ दर्शन व तत्वज्ञान पाठ्यक्रम से भी बहनों को जुड़ने का आह्वान किया गया। इस यात्रा में इंदौर से श्रीमती सुमन दुगड़ का सहयोग रहा।

रतलाम – यह एक चातुर्मासिक क्षेत्र है। यहाँ प्रतिवर्ष चातुर्मास होने से बहनें जागरूक व सक्रिय है। साध्वीश्री उज्जवलप्रभाजी ठाणा – 4 के मंगलपाठ के साथ शाखा सार संभाल का क्रम प्रारंभ किया गया। रतलाम महिला मंडल ने प्रेरणा गीत का मंगल संगान किया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती चेतना कोठारी ने स्वागत वक्तव्य दिया। साध्वी प्रमुखाश्रीजी व राष्ट्रीय अध्यक्ष के संदेश का वाचन क्रमशः श्रीमती वंदना बरमेचा एवं श्रीमती सुधा गांधी ने किया। बहनें तत्वज्ञान व तेरापंथ दर्शन की भी तैयारी कर रही है। यहाँ पर इसी चातुर्मास में कन्या सुरक्षा सर्किल बनाने का लक्ष्य है। मंडल ने सातों रजिस्टर को भी मेन्टेन कर रखा है एवं केन्द्र द्वारा निर्देशित सभी गतिविधियाँ सुचारू रूप से आयोजित की जाती है। रतलाम कन्या मंडल भी सक्रिय है। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती मधु मांडोत ने किया व आभार ज्ञापन श्रीमती ज्योति पीपाड़ा ने किया। कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती शर्मिला बरमेचा सहित अच्छी संख्या में बहनों की उपस्थिति रही।

करवड़ – छोटा किंतु आस्था से भरा 13 सदस्यों का क्षेत्र करवड़। यहाँ चारित्रात्माओं का सान्निध्य विचरण करते हुए मिलता रहता है। यहाँ पर सामायिक, सामूहिक प्रतिक्रमण, पक्खी प्रतिक्रमण, शनिवार की सामूहिक सामायिक आदि धार्मिक गतिविधियाँ सुचारू रूप से चलती है। 5 बहनें तेरापंथ दर्शन व तत्वज्ञान की परीक्षाएं पेटलावद केन्द्र से देगी। बहिनों को केन्द्रीय कार्यों व रजिस्टर रखरखाव की विशेष प्रेरणा दी गयी। करवड़ महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती सरोज बम्बोरी ने स्वागत उद्गार व्यक्त किये। श्रीमती पूर्णिमा मांडोत तथा श्रीमती पूनम श्रीमाल ने क्रमशः साध्वी प्रमुखाश्रीजी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के संदेश का वाचन किया। बहनों द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। मंत्री अंगूरबाला श्रीमाल ने आभार ज्ञापन किया।

झाबुआ – आध्यात्मिक क्षेत्र झाबुआ में लगभग 30–35 सदस्य है। यहाँ पर धार्मिक गतिविधियाँ निरंतर होती रहती है। सामायिक, सामूहिक प्रतिक्रमण, शनिवार की सामूहिक सामायिक के साथ नया सीखने का क्रम यहाँ नियमित रूप से होता है। बहनों को प्रेरणागीत लय सहित सिखाया गया। श्रीमती सोनिया कोठारी ने साध्वी प्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन किया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती पुखराज चौधरी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के संदेश का वाचन किया। यहाँ पर कन्या सुरक्षा सर्किल बनाने का भी चिन्तन है। मंत्री श्रीमती दीपमाला भंडारी ने आभार ज्ञापन किया।

बोरी – मध्यप्रदेश का एक और छोटा लेकिन धार्मिक क्षेत्र बोरी में 17 सदस्य है और यहाँ पर धार्मिक प्रवृत्तियाँ, तपस्या, सामायिक, सामूहिक प्रतिक्रमण आदि का अच्छा क्रम है। मंडल मंत्री श्रीमती खुशहाली काटारिया ने स्वागत संभाषण दिया। श्रीमती वर्षा कटारिया ने साध्वी प्रमुखाश्रीजी एवं श्रीमती प्रमिला गांधी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के संदेश का वाचन किया। अध्यक्ष श्रीमती संतोष मांडोत सहित अधिकतर सदस्यों की कार्यक्रम में उपस्थिति रही।

कैसूर – अ.भा.ते.म.मं. का एक छोटा किंतु धार्मिकता व आस्था से लबरेज क्षेत्र में बहनों ने उत्साह से प्रचार प्रसार मंत्री का स्वागत किया। यहाँ पर भी चारित्र आत्माओं का विचरण करते हुए अच्छा सान्निध्य सदस्यों को प्राप्त होता रहता है। उनकी प्रेरणा से धार्मिक गतिविधियाँ सुचारू रूप से चल रही है। कन्या सुरक्षा सर्किल निर्माण का भी मंडल ने लक्ष्य रखा है। स्वागत व आभार मंडल मंत्री श्रीमती संगीता बंबोरी ने किया। श्रीमती टीना बम्बोरी व श्रीमती मंजु टेबा ने संदेश का वाचन

किया। अध्यक्ष श्रीमती साधना टेबा सहित बहनों की उपस्थिति रही।

सभी शाखा मंडलों में सभा व युवक परिषद् का सराहनीय सहयोग रहता है। संगठन यात्रा से क्षेत्रों में नये जोश का संचार हुआ।

गुजरात

पर्वत पाटिया – अ.भा.ते.म.मं. निर्देशानुसार उन्नति संगठन यात्रा के तहत दक्षिण गुजरात के पर्वत पाटिया क्षेत्र की सार संभाल ली गयी। शासनश्री साध्वी श्री शिवमाला के सान्निध्य में साध्वी श्री अमितरेखाजी ने नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंगला चरण प्रेरणागीत से किया गया। साध्वी प्रमुखाश्रीजी का संदेश वाचन रा.का.स. सदस्या श्रीमती मंजु नौलखा ने एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की शुभकामना रा.का.स. सदस्य श्रीमती निधि सेखानी ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया ने चारों योजनाओं की जानकारी देते हुए तत्वज्ञान पाठ्यक्रम से जुड़ने की प्रेरणा दी राष्ट्रीय ट्रस्टी एवं संगठन यात्रा प्रभारी श्रीमती कनक बरमेचा ने संस्था के संगठन को कैसे मजबूती प्रदान करे टिप्स के माध्यम से बताया तथा नवयुवती बहनों को जोड़ने की प्रेरणा दी। स्वागत वक्तव्य अध्यक्ष श्रीमती मनोज गंग, आभार मंत्री श्रीमती चन्द्रकला एवं संचालन श्रीमती कुसुम ने किया। साध्वी श्री अमित रेखाजी ने अपने प्रेरणा पाथेय में फरमाया अधिक से अधिक बहनें मंडल से जुड़कर मंडल के हर कार्य में सहभागी बने।

लिम्बायत – संगठन यात्रा के अन्तर्गत लिम्बायत तेरापंथ भवन में अभातेममं की कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती मंजू नौलखा व श्रीमती निधि सेखानी ने लिम्बायत महिला मंडल की सार संभाल ली। कार्यक्रम का प्रारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ किया गया। लिम्बायत महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती रेखा नौलखा ने स्वागत वक्तव्य प्रेषित किया। नया शाखा मंडल होने के कारण रजिस्टर का रख-रखाव व संस्था के संविधान की जानकारी से बहनों को अवगत कराया गया। अन्य समस्याओं का भी समाधान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती कल्पना सिंघवी ने किया। आभार ज्ञापन महिला मंडल मंत्री श्रीमती निर्मला रांका ने किया।

हिम्मतनगर – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित संगठन यात्रा के दौरान अभातेममं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं गुजरात प्रभारी श्रीमती अदिति सेखानी ने हिम्मतनगर क्षेत्र की यात्रा की। जिसके अन्तर्गत उन्नति कार्यशाला भी रखी गई। मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणागीत से मंगलाचरण हुआ। अध्यक्ष श्रीमती मीना नौलखा द्वारा स्वागत भाषण किया गया। श्रीमती अदिति सेखानी द्वारा नवगठित मंडल को संस्था-संचालन, संविधान व योजनाओं से अवगत कराया गया। साथ ही अभातेममं का उद्देश्य से महिलाओं का सशक्तिकरण कैसे हो यह बताया। सभी बहनों में उत्साह सराहनीय था। कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष रेणु डूंगरवाल द्वारा किया गया।

महाराष्ट्र

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के संगठन विभाग के निर्देशानुसार महाराष्ट्र प्रभारी श्रीमती निर्मला चंडालिया, श्रीमती जयश्री जोगड़ ने महाराष्ट्र के खानदेश क्षेत्र के शाखा मंडलों की सार संभाल की। सभी क्षेत्रों में मातृहृदया साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी व ऊर्जावान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के संदेशों का वाचन किया गया। श्रीमती निर्मला चंडालिया ने महिला मंडल के संविधान, सातों रजिस्टरों की विस्तृत जानकारी बहनों को दी। श्रीमती जयश्री जोगड़ ने अभातेममं की चारों योजनाओं, उन योजनाओं के अंतर्गत किये जाने वाले कार्यों और आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर आदि की जानकारी बहनों को दी। मुम्बई में साध्वीश्री अणिमाश्रीजी से मंगल पाठ सुनकर खानदेशीय उन्नति संगठन यात्रा प्रारम्भ की गयी।

जलगाँव – खानदेश की राजधानी माना जाने वाला क्षेत्र जलगाँव जिसने कई संयम रत्न गुरुचरणों में समर्पित किये हैं, संगठन यात्रा का प्रथम पड़ाव बना। कार्यक्रम की मंगल शरुआत महिला मंडल की बहनों के समवेत स्वरों प्रेरणा गीत के साथ हुई। स्वागत गीत द्वारा महिला मंडल व कन्या मंडल ने रा.का.स. का स्वागत किया। अध्यक्ष श्रीमती संतोष छाजेड़ ने अध्यक्षीय वक्तव्य दिया। मंत्री श्रीमती निर्मला छाजेड़ ने स्थानीय मंडल द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी दी। खानदेश

संगठन यात्रा

सभा के अध्यक्ष श्री अनिल सांखला ने रा.का.स. का स्वागत करते हुए संगठन यात्रा के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। आभार ज्ञापन श्रीमती नम्रता सेठिया ने किया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन कन्यामंडल प्रभारी श्रीमती स्नेहलता सेठिया ने किया। कार्यक्रम में सभा के अध्यक्ष श्री माणकजी बैद, मंत्री श्री नवरत्नजी चौपड़ा, तेयुप अध्यक्ष श्री जितेन्द्र चौपड़ा एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

अमलनेर – खानदेश का दूसरा क्षेत्र अमलनेर जहाँ 9 परिवार है, श्रद्धा का क्षेत्र है। कार्यक्रम की शुभ शुरुआत बहनों के सामूहिक स्वरों ''हो संकल्प सत्य शिव सुंदर'' गीत के साथ हुई। श्रीमती प्रणीता लोढ़ा व श्रीमती रश्मिता लोढ़ा ने सुमधुर गीत से स्वागत किया। अध्यक्ष श्रीमती सिंधु लोढ़ा ने बताया कि 13 सदस्यों के इस मंडल में सभी के घरों में लैंड लाईन नं. में, गाड़ी के नं. के अंत में 13 का अंक है जो विशेष सोच के साथ लिया गया है। मंत्री श्रीमती भारती वेदमुथा ने मंडल के द्वारा किये गये कार्यों के बारे में बताते हुए कार्यक्रम का संचालन किया।

साकरी – धुलिया में विराजित साध्वी श्री निर्वाणश्रीजी के दर्शन कर प्रेरणा पाथेय प्राप्त कर रा.का.स. साकरी पहुँचे। कार्यक्रम की मंगल शुरुआत नमस्कार महामंत्र गीत के मंगल स्वरों के साथ हुई। अध्यक्ष श्रीमती जोशीला पगारिया ने अध्यक्षीय वक्तव्य दिया एवं स्वागत किया। मंत्री वंदना ने आभार ज्ञापन किया।

पिंपलनेर – 13 परिवार का श्रद्धा का छोटा सा क्षेत्र जहाँ 19 सदस्य है, संगठन यात्रा के कार्यक्रम का मंगल प्रारम्भ मंगल गीत के साथ श्रीमती सोनल जैन द्वारा हुआ। बहनों ने स्वागत गीत से भावपूर्ण स्वागत किया। मंत्री वैजयन्ती ने कार्यक्रम का सुंदर संचालन किया।

नंदुरबार – पिंपलनेर से रवाना होकर शहादा में विराजित शासन श्री साध्वीश्री पद्मावतीजी के सान्निध्य में आयोजित वृहद तपोभिनंदन कार्यक्रम में सहभागी बनी। क्षेत्रीय प्रभारी मंगल पाठ श्रवण कर नंदूरबार पहुँचे। कर्मठ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अनुमति से नंदुरबार में महिला मंडल का गठन किया गया। सर्वसम्मति से श्रीमती सुशीला बाई को अध्यक्ष एवं श्रीमती पिंकी बुरड़ को मंत्री बनाया गया।

दोडांईचा – ''उन्नति'' संगठन यात्रा के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ तेममं दोंडाईचा के समवेत मंगलस्वरों से हुआ। स्वागत गीत के सुमधुर स्वरों से बहनों ने अतिथि देवो भवः की परम्परा का निर्वहन किया। अध्यक्ष श्रीमती सुरेखा बैद ने शब्द सुमनों से स्वागत करते हुए संगठन यात्रा की अपेक्षा पर विचार व्यक्त किए। मंत्री संजुला मुनोत ने कृतकार्यों की जानकारी दी और आज्ञार ज्ञापन करते हुए कुशल संचालन किया।

बोराला – भारत दर्शन करना है तो गाँवों को देखो वहाँ रहने वाले कृषक बंधुओं को देखो। गाँधीजी का यह कथन शतशः सही है। बोराला गाँव के कर्मणा जैन तेरापंथी परिवारों के बीच जाकर ऐसा अनुभव हुआ कि मानो जैनत्व वहाँ मुखर हो रहा है। अध्यक्ष श्रीमती विमला पटेल ने रा.का.स. का स्वागत किया। मंत्री नम्रता पटेल ने वहाँ के बारे में बताते हुए कहा कि गुरु आज्ञा सर्वोपरि है, इसी के अनुरूप शनिवार की सामायिक सभी नियमित रूप से करते हैं। बहनें ज्ञानशाला भी नियमित रूप से चलाती है। संगठन यात्रा के प्रति बहनों में उत्साह था और अभातेममं द्वारा निर्देशित कार्यों को यथासंभव पूर्ण करने का संकल्प भी किया।

शिरपुर – संगठन यात्रा का अंतिम पड़ाव शिरपुर क्षेत्र रहा। कार्यक्रम का शुभारम्भ महिला मंडल की बहनों के सामूहिक मंगल स्वरों से हुआ। मंत्री श्रीमती सुविधा गेलड़ा ने अतिथियों का शब्द सुमनों से स्वागत किया। श्रीमती करिश्मा बाफना ने वर्षभर में आयोजित कार्यों की जानकारी दी। सभा अध्यक्ष श्री कांतिलालजी गेलड़ा ने संगठन यात्रा के संदर्भ में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि छोटे क्षेत्रों को समय-समय पर खंगालते रहने से क्रियाशीलता बनी रहती है और अधिक उत्साह के साथ कार्य किया जाता है। अध्यक्ष श्रीमती कलावती गेलड़ा ने आभार ज्ञापन किया। इस यात्रा में जलगाँव महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती संतोष छाजेड़ एवं उपासिका श्रीमती वीणा छाजेड़ भी साथ में रही।

भुसावल – पर्युषण पर्व के शुभारम्भ से पूर्व रा.का.स. श्रीमती निर्मला चंडालिया द्वारा भुसावल क्षेत्र की संगठन यात्रा की

गई। प्रेरणा गीत व स्वागत गीत से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रमुखाश्रीजी व् राष्ट्रीय अध्यक्ष के संदेश का वाचन किया गया। भुसावल महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती सरला छाजेड़ व मंत्री सरला निमाणी ने मंडल की गतिविधियों की जानकारी दी। निर्मला जी ने संविधान, मंडल की योजनाएं व रजिस्टर की जानकारी देते हुए बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। बहनों को संगठन यात्रा के उद्देश्य से अवगत कराया। कार्यक्रम में सभा अध्यक्ष श्री पारसजी कोठारी, मंत्री श्री रविजी निमाणी व तेयुप अध्यक्ष श्री निलेशजी चोरडिया व मुंबई से समागत दो उपासिका बहीनें सीमा जी धोखा व सीमा जी सोनी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन अनिता जी सांखला ने किया।

राजस्थान

'उन्नति' संगठन यात्रा के तहत राजस्थान की मेवाड़ प्रांत प्रभारी डॉ. नीना कावड़िया द्वारा क्षेत्रों में संस्था की मुख्य योजनाओं की जानकारी देते हुए उनकी क्रियान्विति के लिए मार्गदर्शन दिया गया। फिजियोथेरेपी सेन्टर व कन्या सुरक्षा सेन्टर के निर्माण हेतु प्रेरणा दी गयी। रजिस्टर रखरखाव हेतु सुझाव दिये गये। यात्रा में राजसमंद से श्रीमती मीना नवलखा व श्रीमती शांताजी का सहयोग रहा।

सरदारगढ़ – साध्वी श्री कुंदनप्रभाजी के सान्निध्य में आयोजित संगठन यात्रा में स्थानीय मंडल अध्यक्ष श्रीमती मंजु कच्छारा ने स्वागत उद्गार व्यक्त किये। साध्वीवृंद द्वारा सुमधुर गीतिका का संगान किया गया। बहनों ने प्रेरणागीत से मंगलाचरण किया। श्रीमती करूणा मेहता ने साध्वी प्रमुखाश्रीजी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के संदेश का वाचन किया। युवागौरव श्री पदमजी पटावरी ने बहनों को करणीय कार्य के प्रति विशेष जागरूकता का आह्वान किया। उन्होंने जैन स्कॉलर योजना से जुड़ने का भी उल्लेख किया। साध्वीश्री विद्युतप्रभाजी एवं साध्वीश्री कुंदनप्रभाजी ने बहनों को तप, जप के साथ संस्था को मजबूत बनाने हेतु संगठन की शक्ति पर विशेष प्रेरणा दी। कार्यक्रम में स्थानीय सभा संरक्षक श्री शांतिलालजी बाफना, उपाध्यक्ष श्री गणपतजी चौधरी, श्री सोहनलालजी कच्छारा, श्रीमती कल्पना चव्हाण, श्रीमती उमरावबाई सिंघवी के साथ बहनों की अच्छी उपस्थिति रही।

भीम – मुनिश्री भूपेन्द्र कुमारजी व मुनिश्री पवनकुमारजी के सान्निध्य में भीम महिला मंडल की संगठन यात्रा संगोष्ठी आयोजित की गयी। स्थानीय मंत्री श्रीमती कविता कोठारी द्वारा स्वागत किया गया। मुनिश्री जी ने प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि यह क्षेत्र जागरूक है। कन्या मंडल भी सक्रियता से जुड़ी हुई है। नये 5 रजिस्टर बनवाये गये। सभा अध्यक्ष श्री मिश्रीमलजी दक ने कन्या सुरक्षा सर्किल व फिजियोथेरेपी सेन्टर के निर्माण के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती संतोष चावत, सभा मंत्री श्री रोशनजी कोठारी, तेयुप अध्यक्ष श्री भरतजी हिंगड़, मंत्री श्री दीपू जी, श्रीमती ममता हिंगड़ आदि की विशेष उपस्थिति रही। आभार ज्ञापन कन्या मंडल संयोजिका सुश्री पूनम ने किया। बहनों की अच्छी उपस्थिति जागरूकता का परिचायक थी।

लांबोडी – यह एक छोटा क्षेत्र है और यहाँ के अधिकतर सदस्य मुंबई प्रवासरत है। यहाँ उपस्थित बहनों को आध्यात्मिक कार्यों व करणीय कार्यों के लिए विशेष प्रेरित किया व उनसे जानकारी भी ली गयी। श्रीमती संतोष मेहता व श्रीमती कंचन हिंगड़ के साथ अन्य बहनें भी उपस्थित रही।

हरियाणा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार उन्नति संगठन यात्रा के अंतर्गत हरियाणा प्रभारी श्रीमती सुमन लूनिया व श्रीमती उषा जैन ने हरियाणा के 19 शाखा मंडलों की सार संभाल की। सभी क्षेत्रों में मातृहृदया साध्वीप्रमुखाश्रीजी, उर्ज्जावान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, राष्ट्रीय संगठन विभाग संयोजिका श्रीमती कनक जी बरमेचा के मंगल संदेश का वाचन किया गया। श्रीमती उषा जैन ने बहनों को 7 रजिस्टर के बारे में जानकारी दी व वह तत्वज्ञान से जुड़ने की बात कही।श्रीमती सुमन लूनिया ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की चारों योजनाओं और उनके अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों व आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल निर्माण, फिजियोथेरेपी सेंटर, नारी लोक में

संगठन यात्रा

दिए गए करणीय कार्य को कैसे करना है तथा संविधान की महत्वपूर्ण जानकारी दी। दिल्ली में विराजित शासनश्री साध्वीश्री अशोकश्री जी व बहुश्रुत साध्वीश्री कनकश्री जी से मंगल पाठ श्रवण कर यात्रा शुभारम्भ की।

जींद – डॉ साध्वी कुंदन रेखाजी के मंगलपाठ से संगठन यात्रा के प्रथम पड़ाव का शुभारम्भ हुआ । महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती राज जैन ने स्वागत वक्तव्य दिया। डॉ साध्वीश्री कुंदनरेखा जी ने उद्‌बोधन दिया। आभार ज्ञापन मंत्री श्रीमती मीना जैन ने किया। कार्यक्रम में 60 बहनें उपस्थिति रही। उपलब्धी रही जींद कन्या मंडल का गठन। यहां तेरापंथ दर्शन, तत्व ज्ञान परीक्षा का केन्द्र है। सुश्री रक्षिता जैन ने सुन्दर संचालन किया

उचाना मंडी – साध्वीश्री संयमप्रभा जी का मंगल उद्‌बोधन रहा। बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। संस्था के संविधान की प्रतिलिपि दी गयी। यहाँ पर कई सालों के बाद मनाव द्वारा नई अध्यक्ष बनाई गई। श्रीमती रेखा जैन को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। करीब 25 बहनें कार्यक्रम में उपस्थित रही।

नरवाना – शासनश्री साध्वीश्री सरोज कुमारी जी द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। महिला मंडल ने प्रेरणा गीत का संगान किया। अध्यक्ष श्रीमती रेनू जैन ने अपने वक्तव्य से राष्ट्रीय कार्यसमिति का स्वागत किया। आभार ज्ञापन मंत्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 18 बहनें उपस्थित रही।

उकलाना – महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती स्वीटी जैन ने स्वागत वक्तव्य दिया। मंडल मंत्री ने आभार ज्ञापन किया। संविधान की जानकारी के साथ संविधान की कॉपी भी दी गयी। 15 बहनो के साथ सभा अध्यक्ष व भाइयों की भी उपस्थित रही।

टोहाना व जाखलमंडी – शासनश्री साध्वीश्री मानकुमारी जी के नमस्कार महामंत्र के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। मंच संचालन श्रीमती रेखा जैन ने किया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती प्रोमिला जी ने तिलक लगाकर व अपने जोशीले वक्तव्य द्वारा स्वागत किया। बहनों ने प्रेरणा गीत का संगान किया। इस अवसर पर युवक परिषद अध्यक्ष श्री नीरजजी उनकी टीम के साथ उपस्थित थे। अच्छी संख्या में बहनों तथा कन्या मंडल की उपस्थित रही। कन्या मंडल जो करीब 5 सालों से निष्क्रिय था उसे पुनः सक्रिय किया गया। जाखलमंडी अध्यक्ष श्रीमती राजरानी जैन ने राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्यों का स्वागत किया। आभार ज्ञापन मंत्री किरण जैन ने किया।

कालावाली-डबवाली – दोनों क्षेत्रों का संयुक्त कार्यक्रम कालांवाली में हुआ जिसमे कालांवाली से 20 व डबवाली से 6 सदस्यों ने भाग लिया। कालांवाली महिला मंडल व डबवाली महिला मंडल ने प्रेरणा गीत का संगान किया। कालांवाली अध्यक्ष श्रीमती देवकीर्ति जी व डबवाली अध्यक्ष श्रीमती सुषमा ने स्वागत वक्तव्य दिया। बहनों ने मंडल में किए गए कार्यों की चर्चा की व अपने रजिस्टर व एल्बम भी दिखाएं। इस अवसर पर श्री दिनेशजी जैन-कार्यसमिति सदस्य महासभा, श्री हरीश जी सिंघल-अध्यक्ष कालावाली सभा, श्री मोहन जी बंसल-मंत्री कालांवाली सभा भी उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन कालांवाली मंत्री श्रीमती सीमा ने किया।

सिरसा – शासनश्री साध्वीश्री सुप्रभाजी के सान्निध्य में सिरसा मंडल की संगठन यात्रा का कार्यक्रम रखा गया। बहनों द्वारा प्रेरणागीत का संगान किया गया। मंत्री प्रिया गोलछा ने स्वागत भाषण दिया। सभा अध्यक्ष श्री हनुमान गुजरानी ने रा का स का स्वागत किया। युवक परिषद के अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी गण की गरिमामयी उपस्थिति रही । गौरीपुर मंडल से मंत्री श्रीमती धनी नाहर भी उपस्थिति थी। साध्वीश्री ने अपना मंगल संदेश दिया। ।

फतेहबाद – कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय महिला मंडल द्वारा प्रेरणागीत से हुई। अध्यक्ष श्रीमती रश्मि जैन ने स्वागत भाषण दिया। मंडल के नए अध्यक्ष का मनाव भी किया गया। श्रीमती मोना जैन को अध्यक्ष बनाया गया। सभा अध्यक्ष व अ.भा.ते.यु.प. के पूर्व सहमंत्री श्री संजय जैन की गरिमामयी उपस्तिथि रही।

भट्टू-आदमपुर – हरियाणा का छोटा क्षेत्र भट्टू जहां साधु साध्वियों का आवागमन होता रहता है। यहां पर विधिवत महिला मंडल एवं कन्यामण्डल का गठन किया गय। भट्टू महिला मंडल व आदमपुर महिला मंडल ने संयुक्त प्रेरणा गीत का संगान किया व स्वागत वक्तव्य दिया। लहराना क्षेत्र जहां 5-7 घर ही हैं उन बहनों को भट्टू मंडल के साथ जोड़ा गया। इस अवसर

पर दोनों मंडल को संविधान की प्रति दी गई। कार्यक्रम में बहनो के साथ स्थानीय सभा अध्यक्ष, मंत्री, युवक परिषद व अणुव्रत समिति से पदाधिकारियों की प्रशंसनीय उपस्थिति रही । आभार ज्ञापन मंडल मंत्री ने किया।

बरवाला – कार्यक्रम की शुरुआत शासनश्री साध्वीश्री भाग्यवती जी द्वारा नमस्कार महामंत्र से हुई। स्थानीय महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती अनीता ने स्वागत भाषण एवं बहनों ने प्रेरणागीत का संगान किया। साध्वी श्री जी ने मंगल उद्‌बोधन दिया।

हांसी – मुनि श्री कुलदीप कुमारजी के सानिध्य में कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र द्वारा हुआ। स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष श्रीमती सरोज ने दिया। मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणागीत का संगान किया गया। स्थानीय सभा संस्था के पदाधिकारियों की कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति रही। मुनिश्री ने मंगल संदेश दिया।

हिसार – शासनश्री साध्वीश्री चंद्रकलाजी व साध्वीश्री पुण्यप्रभाजी के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात साध्वीश्री द्वारा नमस्कार महामन्त्र से हुई। हिसार महिला मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती सुमन जैन ने स्वागत भाषण द्वारा राष्ट्रीय कार्यसमिति की बहनों का स्वागत किया। श्रीमती सुधा जैन, श्रीमती विजया जैन ने प्रमुखाश्रीजी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के संदेश का वाचन किया। साध्वीश्रीजी ने संस्था की गतिविधियों की सराहना करते हुए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की पूरी टीम के उज्जवल भविष्य की मंगलकामना की। महिला मंडल मंत्री श्रीमती कुसुम जैन ने आभार ज्ञापन किया।मंचसंचालन श्रीमती प्रीति जैन ने किया।कार्यक्रम में बहनो के साथ भाईयो की भी अच्छी संख्या में उपस्थिति रही। इस वर्ष दो बहने उपासक बनी !श्रीमती सावित्री जिंदल का अच्छा सहयोग रहता है। यह क्षेत्र तत्वज्ञान परीक्षा का केन्द्र भी है।

सिवानी – शासनश्री साध्वीश्री मोहना जी के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में कर्मठ कार्यकर्ता श्री रतनजी, डॉ श्याम सुंदर जी व 10 बहने उपस्थिति थी। राष्ट्रीय कार्यसमिति बहनो ने मंडल के गठन की प्रेरणा दी।

तोशाम – अध्यात्म से संपन्न जागरुक क्षेत्र तोशाम से कई दीक्षाएं हुई है। अध्यक्ष श्रीमती मंजु जैन ने स्वागत भाषण दिया। रा का स द्वारा यहां कन्या मंडल का गठन किया गया। तारिका जैन कन्या मंडल संयोजिका व सुश्री समृद्धि जैन सह संयोजिका बनी। आभार ज्ञापन मंडल मंत्री श्रीमती ज्योति जैन ने किया।

भिवानी – शासनश्री साध्वीश्री यशोधरा जी के द्वारा नमस्कार महामंत्र उच्चारण के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। महिला मंडल द्वारा प्रेरणागीत का संगान किया गया। अध्यक्ष श्रीमती विनीता ने स्वागत भाषण दिया। कन्या मंडल ने सामूहिक गीतिका का संगान किया। आभार ज्ञापन मंत्री सुनीता नाहटा ने किया।

रोहतक – शासनश्री साध्वीश्री कंचनकुमारी जी लाडनूं के नमस्कार महामंत्र उच्चारण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। शनिवार की सामायिक बड़े ही उत्साह पूर्ण वातावरण में रखी गई। सभा अध्यक्ष श्रीमान किशनजी जैन, प्रेक्षा प्रशिक्षक श्री एस के जैन व मीडिया प्रभारी श्री लोकेश जी उपस्थित थे। साध्वी श्री जी ने मंगल प्रेरणा प्रदान की।

उत्तरप्रदेश

नोएडा – 'उन्नति' संगठन यात्रा के अंतर्गत अ.भा.ते.म.मं. की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैंगानी व रा.का.स. श्रीमती सुमन लूणिया ने नोएडा क्षेत्र की सार संभाल की। शासन श्री साध्वी श्री जयाप्रभाजी के सान्निध्य में नोएडा महिला मंडल ने प्रेरणा गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती भारती दुगड़ ने सभी का स्वागत किया। श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने संवैधानिक तरीके से संस्था संचालन की जानकारी दी। श्रीमती सुमन लूणिया ने संस्था की योजनाओं व गतिविधियों की जानकारी दी। पूर्व रा.का.स. श्रीमती पुष्पा बोकाडिया ने साध्वी प्रमुखाश्रीजी के व श्रीमती तारा बैंगानी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के संदेश का वाचन किया। श्रीमती सुमन बोथरा व श्रीमती संस्कृति भंडारी ने संगठन शक्ति पर विशेष प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती विमला माधन, नोएडा सभा अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जी नाहटा आदि गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। संचालन श्रीमती रेखा लोढ़ा ने किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता अक्टूबर 2018

सन्दर्भ ग्रंथ : तेरापंथ प्रबोध - 1 से 125 पद्य अर्थ सहित

अ. वर्ग पहेली :-

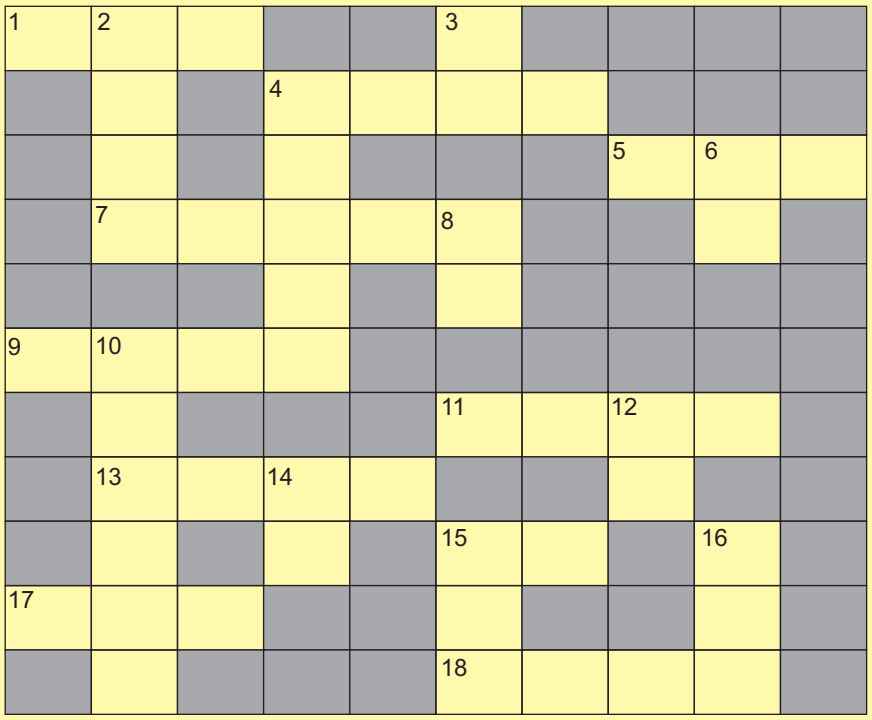

बाएँ से दाएँ :-

1. चूलिया वाले ..... को बन्द करना या खोलना आदि अनेक बिन्दु थे। (3)
4. ठाकुर दौलत सिंह हृदय में ..... श्रद्धा क्यारी (4)
5. कंटालिया गाँव के शाह बल्लूजी की पत्नी का नाम .....(3)
7. ..... उनके मन की तह तक नहीं पहुँच पाए। (5)
9. राजनगर ने तत्वज्ञ श्रावक ..... (4)
11. केलवा में भगवान ..... का प्राचीन मंदिर है। (4)
13. जो जैन नहीं है उसकी ..... क्रिया भी मोक्ष मार्ग की आराधिका नहीं है। (4)
15. स्वामीजी का एक संकल्प - पत्नी के साथ ..... स्वीकार करना। (2)
17. आचार्य भिक्षु का दृष्टिकोण ..... और उदार था। (3)
18. वन्दन मुद्रा में बैठकर उन्होंने भगवान महावीर को ..... किया। (4)

उपर से नीचे :-

2. ..... उत्तम प्राणी है, पटधर आत्म प्रभाव स्यूं (4)
3. अब प्रच्छन्न रहने में ..... के स्थान पर नुकसान है। (2)
4. मुनि भीखणजी के साथ राजनगर पहुँचने वाले सन्त .....(5)
6. ..... बरस पहिछाण, अनपिण पूरो नां मिल्यो। (2)
8. स्वामीजी स्वर्गस्थ, ... रो जनम, जुगल मरूधर धोरी (2)
10. संघ के सब साधु-साध्वियों की सामाचारी एक है और ..... की पद्धति एक है। (6)
12. उनकी ..... शब्द की गहराई तक पहुँची। (2)
14. शासन संभाल्यो ..... संवत्सर च्यार हो (2)
15. श्री फतेहमलजी सिंघी जोधपुर के .....थे (3)

16. प्रतिज्ञा का अर्थ .....(3)

ब. उत्तर (अ) या (म) से शुरु होने वाले अक्षरों से दें :–

1. धर्म पैसे से नहीं खरीदा जा सकता वह ..... है।
2. आचार्य भिक्षु के अनुसार धर्म की दूसरी कसौटी है .....।
3. साधन सामग्री की ..... और संघर्षों की बहुलता थी।
4. हमारा मन कहता है लोग समझेंगे, आपका ..... करेंगे।
5. जहाँ ..... का पोषण होता है वह दान सामाजिक दान है।
6. पुण्य धर्म का ..... फल है।
7. जैन हो या अजैन उसकी आत्मविकास में सहयोगी बनने वाली क्रिया ..... कैसे बन सकती है।
8. ..... को कहीं गर्म हवा भी नहीं लग पाएगी।
9. नाग बाबा ..... रखना।
10. आचार्य रायचन्दजी का जीवन ..... की तरह ज्योतिर्मय रहा।
11. वे कुछ नई मांगे रख सकते हैं और ..... मैं छूट करा सकते हैं।
12. आचार्य मधवा के प्रति वैमनस्य रखने वाला कोई नहीं था इसलिए वे ..... कहलाएं।
13. ..... तो यहाँ दिन में भी आने से घबराता है।

नोट : उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम पता एवं फोन नं. अवश्य लिखें।
उत्तर महिने की 25 तारीख तक श्रीमती रमन पटावरी के पते पर अवश्य पहुँच जाए।
उत्तर फुल साइज पेज पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं साफ लिखें।
प्रश्न का उत्तर जितना पूछा जाए उतना ही दें।

श्रीमती रमन पटावरी
SILVER SPRING,
JBS 5 HALDEN AVENUE,
BLOCK - 1, 17-C, KOLKATA - 700105
मोबाईल : 9903518222 / 033-40620395
ई-मेल : raman.patawari@gmail.com

सितम्बर माह के प्रश्नों के उत्तर

अ.

1. वि.सं. 2046 आषाढ़ी पूर्णिमा
2. वि.सं. 1848 के फाल्गुन मास
3. वि.सं. 1860
4. वि.सं. 2017
5. वि.सं. 1854 सुजानगढ़
6. वि.सं. 1908 माघ पूर्णिमा
7. वि.सं. 1877 मुनि स्वरूपचंदजी
8. वि.स. 2039 भाद्र शुक्ला 13
9. सन् 1970 लाडनूं / सन् 1960 भी मान्य
10. वि.सं. 1908 माघ कृष्णा चतुर्दशी
11. सन् 1980
12. वि.सं. 1876
13. वि.सं. 1837

ब. महाप्रज्ञ, महाश्रमण, महाश्रमणी

स. ऋषिराय, रायचन्द, ब्रह्मचारी

द. जयाचार्य, स्वरूपचंदजी, भीमराजजी

य.

1. 108
2. 78
3. 410
4. 500 रूपये
5. 10 किमी.
6. 44
7. 18
8. 105
9. 40000
10. 7

अगस्त माह की प्रश्नोत्तरी के 10 भाग्यशाली विजेता

1. श्रीमती सायर दुधेड़िया, जयपुर
2. श्रीमती प्रमिला कोठारी, अहमदाबाद
3. श्रीमती जयश्री हिंगड़, मुम्बई
4. श्रीमती सपना चीपड़, सूरत
5. श्रीमती रितू धोका, राजसमन्द
6. श्रीमती समता सालेचा, बालोतरा
7. श्रीमती उषा महनोत, दक्षिण हावड़ा
8. श्रीमती किरण दुगड़
9. श्रीमती सुशीला बोकडिया, पूर्वांचल कोलकाता
10. श्रीमती विभु डागा, सरदारशहर

कुल प्रविष्टियाँ 915 सर्वाधिक 145 प्रविष्टियाँ बालोतरा से, 46 प्रविष्टियाँ राजसमन्द से प्राप्त हुई

नवी मुंबई में कन्या सुरक्षा सर्किल निर्माण की उद्घोषणा

आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या 'शासनश्री' साध्वी श्री जिनरेखाजी के सान्निध्य में वाशी में मुंबई महिला मंडल का वार्षिक अधिवेशन ''लक्ष्य'' का आयोजन किया गया जिसमें अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बहनों को प्रेरणा देते हुए कहा कि हम बहनों को आगे आकर आडम्बर रहित समाज की संरचना करने का लक्ष्य बनाकर आदर्श प्रस्तुत करना है। साध्वीश्री जी ने लक्ष्य प्राप्ति के बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित नवीं मुंबई महानगरपालिका की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती नेत्रा शिर्के व महिला बाल कल्याण अध्यक्ष श्रीमती शिल्पा कांबली ने उनके वार्ड में कन्या सुरक्षा सर्किल निर्माण की घोषणा की। कार्यक्रम में वाशी क्रिडा समिति सभापति श्री प्रकाशजी, सुरेश जी नगर सेवक, श्री अर्जुनजी सिंघवी, राष्ट्रीय परामर्शक श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया, रा.का.स. श्रीमती कांता तातेड़, श्रीमती निर्मला चंडालिया, श्रीमती तरूणा बोहरा, श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा, श्रीमती जयश्री बडाला, विशेष सहयोगी श्रीमती रचना हिरण की विशेष उपस्थिति रही।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

11,100	श्रीमती प्रकाशदेवी मदनलालजी तातेड़ (मुंबई) की पुत्रवधु श्रीमती शर्मिला निर्मलजी तातेड़ की अट्ठाई तप के उपलक्ष में सप्रेम भेंट
5,100	हांसी महिला मंडल द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
2,100	अमलनेर महिला मंडल द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
2,100	भूसावल महिला मंडल द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

महामंत्री कार्यालय : श्रीमती नीलम सेठिया – 28/1, शिवाया नगर, 4th Cross, रेड्डीयुर, सेलम–636004, तमिलनाडु
मो. : 099524 26060 ईमेल neelamsethia@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती सरिता डागा – 45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर – 302 017
मो. : 094133 39841 ईमेल sarita.daga21@gmail.com

नारीलोक हेतु सम्पर्क करें : श्रीमती सौभाग बैद मो. : 080031 31111 श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा मो. : 096199 27369
नारीलोक देखें website : www.abtmm.org

43 वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन

"संकल्प"

दिनांक 3-4-5 अक्टूबर 2018, माधावरम्, चैन्नई

अगर मेरे जीवन में
नहीं होते तो यथार्थ की
धरा पर सपनों को
पांव नहीं मिलते...

के बिना कोशिश से
कामयाबी का सफर
कभी पूरा नहीं होता...

एक पॉजीटिव एनर्जी है
जो मेरे भीतर असीम
संभावनाओं के द्वार
खोलती है...

वो एनर्जी फोर्स है जो
मेरे भीतर छिपी अनंत
शक्तियों को जागृत कर
असंभव को भी संभव
बना देती है...

मेरे आत्मविश्वास को
कभी घुटने नहीं टेकने
देता-हारी हुई बाजी को भी
जीत में बदल देता है...

मुझे देता है
Clear Vision,
Determination &
Assurance without
any Confusion...

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं